



Samriddhi

11 May 1989

05:00 AM

Nasik

Model: web-freekundliweb

Order No: 121831302

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 10-11/05/1989
दिन _____: बुध-गुरुवार
जन्म समय _____: 05:00:00 घंटे
इष्ट _____: 57:27:33 घटी
स्थान _____: Nasik
राज्य _____: Maharashtra
देश _____: India

अक्षांश _____: 20:00:00 उत्तर
रेखांश _____: 73:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:34:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 04:25:28 घंटे
वेलान्तर _____: 00:03:37 घंटे
साम्पातिक काल _____: 19:40:25 घंटे
सूर्योदय _____: 06:00:58 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:01:13 घंटे
दिनमान _____: 13:00:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 26:33:19 मेष
लग्न के अंश _____: 08:01:32 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मेष - मंगल
राशि-स्वामी _____: कर्क - चन्द्र
नक्षत्र-चरण _____: पुष्य - 2
नक्षत्र स्वामी _____: शनि
योग _____: गण्ड
करण _____: तैतिल
गण _____: देव
योनि _____: मेष
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: मेष
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: हे-हेमा
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृष

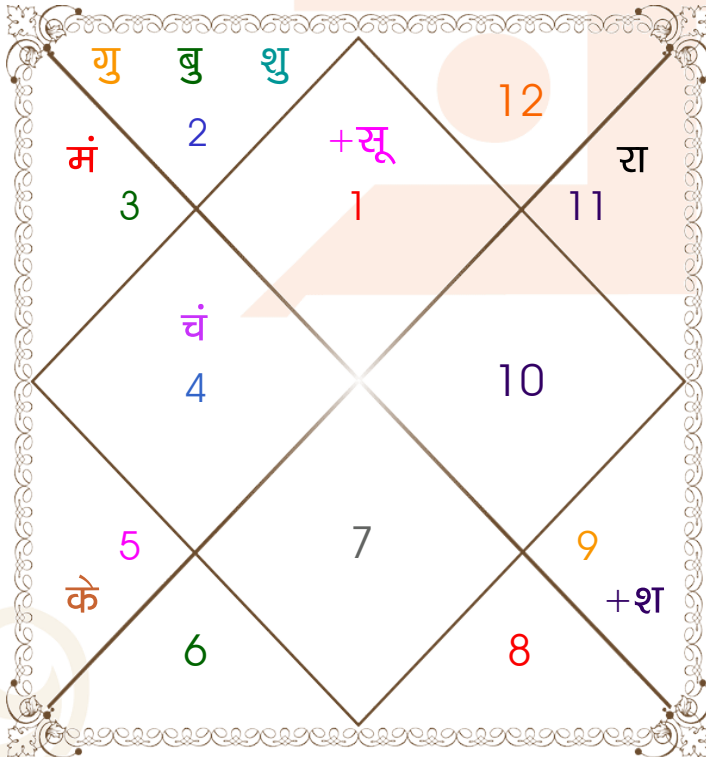
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---------|---|---|------|----------|-----------|------------|----|-----|-------|-------|------|------------|
| लग्न | | | मेष | 08:01:32 | 435:55:05 | अश्विनी | 3 | 1 | मंगल | केतु | गुरु | --- |
| सूर्य | | | मेष | 26:33:19 | 00:57:58 | भरणी | 4 | 2 | मंगल | शुक्र | केतु | उच्च राशि |
| चंद्र | | | कर्क | 07:57:10 | 12:45:29 | पुष्य | 2 | 8 | चंद्र | शनि | केतु | स्वराशि |
| मंगल | | | मिथु | 13:34:54 | 00:37:09 | आर्द्रा | 3 | 6 | बुध | राहु | बुध | शत्रु राशि |
| बुध | | | वृष | 13:02:58 | 00:07:36 | रोहिणी | 1 | 4 | शुक्र | चंद्र | राहु | मित्र राशि |
| गुरु | | | वृष | 18:03:02 | 00:13:28 | रोहिणी | 3 | 4 | शुक्र | चंद्र | बुध | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | वृष | 05:55:56 | 01:13:50 | कृतिका | 3 | 3 | शुक्र | सूर्य | बुध | स्वराशि |
| शनि | व | | धनु | 19:57:22 | 00:01:43 | पूर्वाषाढा | 2 | 20 | गुरु | शुक्र | राहु | सम राशि |
| राहु | व | | कुंभ | 07:33:38 | 00:02:10 | शतभिषा | 1 | 24 | शनि | राहु | राहु | मित्र राशि |
| केतु | व | | सिंह | 07:33:38 | 00:02:10 | मघा | 3 | 10 | सूर्य | केतु | गुरु | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | धनु | 11:12:56 | 00:01:29 | मूल | 4 | 19 | गुरु | केतु | शनि | --- |
| नेप | व | | धनु | 18:28:54 | 00:00:50 | पूर्वाषाढा | 2 | 20 | गुरु | शुक्र | राहु | --- |
| प्लूटो | व | | तुला | 19:54:06 | 00:01:41 | स्वाति | 4 | 15 | शुक्र | राहु | मंगल | --- |
| दशम भाव | | | धनु | 29:33:00 | -- | उत्तराषाढा | -- | 21 | गुरु | सूर्य | राहु | -- |

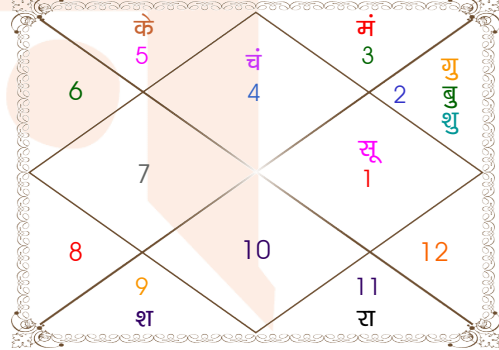
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:38

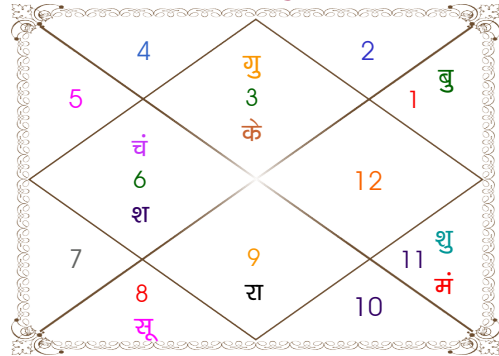
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



SHIV KRIPA JYOTISH SANSTHAN

Lucknow

7007416695

shivkripajyotishsansthan@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 5 मास 0 दिन

| शनि 19 वर्ष | बुध 17 वर्ष | केतु 7 वर्ष | शुक्र 20 वर्ष | सूर्य 6 वर्ष |
|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| 11/05/1989 | 10/10/2001 | 10/10/2018 | 10/10/2025 | 10/10/2045 |
| 10/10/2001 | 10/10/2018 | 10/10/2025 | 10/10/2045 | 11/10/2051 |
| 00/00/0000 | बुध 08/03/2004 | केतु 09/03/2019 | शुक्र 09/02/2029 | सूर्य 28/01/2046 |
| 11/05/1989 | केतु 05/03/2005 | शुक्र 08/05/2020 | सूर्य 09/02/2030 | चंद्र 29/07/2046 |
| केतु 01/08/1989 | शुक्र 04/01/2008 | सूर्य 13/09/2020 | चंद्र 11/10/2031 | मंगल 04/12/2046 |
| शुक्र 01/10/1992 | सूर्य 09/11/2008 | चंद्र 14/04/2021 | मंगल 10/12/2032 | राहु 29/10/2047 |
| सूर्य 13/09/1993 | चंद्र 11/04/2010 | मंगल 10/09/2021 | राहु 11/12/2035 | गुरु 16/08/2048 |
| चंद्र 14/04/1995 | मंगल 08/04/2011 | राहु 28/09/2022 | गुरु 11/08/2038 | शनि 29/07/2049 |
| मंगल 23/05/1996 | राहु 25/10/2013 | गुरु 04/09/2023 | शनि 10/10/2041 | बुध 05/06/2050 |
| राहु 30/03/1999 | गुरु 31/01/2016 | शनि 13/10/2024 | बुध 10/08/2044 | केतु 10/10/2050 |
| गुरु 10/10/2001 | शनि 10/10/2018 | बुध 10/10/2025 | केतु 10/10/2045 | शुक्र 11/10/2051 |

| चंद्र 10 वर्ष | मंगल 7 वर्ष | राहु 18 वर्ष | गुरु 16 वर्ष | शनि 19 वर्ष |
|------------------|------------------|------------------|------------------|-----------------|
| 11/10/2051 | 10/10/2061 | 10/10/2068 | 10/10/2086 | 11/10/2102 |
| 10/10/2061 | 10/10/2068 | 10/10/2086 | 11/10/2102 | 00/00/0000 |
| चंद्र 10/08/2052 | मंगल 08/03/2062 | राहु 23/06/2071 | गुरु 28/11/2088 | शनि 14/10/2105 |
| मंगल 11/03/2053 | राहु 27/03/2063 | गुरु 16/11/2073 | शनि 11/06/2091 | बुध 23/06/2108 |
| राहु 10/09/2054 | गुरु 02/03/2064 | शनि 22/09/2076 | बुध 16/09/2093 | केतु 12/05/2109 |
| गुरु 10/01/2056 | शनि 11/04/2065 | बुध 11/04/2079 | केतु 23/08/2094 | 00/00/0000 |
| शनि 10/08/2057 | बुध 08/04/2066 | केतु 29/04/2080 | शुक्र 23/04/2097 | 00/00/0000 |
| बुध 10/01/2059 | केतु 04/09/2066 | शुक्र 29/04/2083 | सूर्य 09/02/2098 | 00/00/0000 |
| केतु 11/08/2059 | शुक्र 04/11/2067 | सूर्य 23/03/2084 | चंद्र 11/06/2099 | 00/00/0000 |
| शुक्र 11/04/2061 | सूर्य 11/03/2068 | चंद्र 22/09/2085 | मंगल 18/05/2100 | 00/00/0000 |
| सूर्य 10/10/2061 | चंद्र 10/10/2068 | मंगल 10/10/2086 | राहु 11/10/2102 | 00/00/0000 |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 12 वर्ष 5 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

जिस समय आपका जन्म हुआ, उस समय पूर्वी क्षितिज पर अश्विनी नक्षत्र के तृतीय चरण में मेष लग्न उदित था। परिणाम स्वरूप जन्मकाल मिथुन नवमांश एवं मेष के द्रेष्काण के प्रभाव से आप का जन्म लग्न प्रभावित था।

आप में व्यक्तिगत रूप से कई कार्यों को एक साथ संचालित करने की क्षमता है, और आप कोई भी कार्य पूर्ण रूपेण आश्वस्त होकर संपादित करती हैं। आप उच्चकोटि की महत्वाकांक्षी, महिला हैं। आप अपने उद्येशियत महत्वपूर्ण बिंदुओं को कार्य रूप देकर कार्यान्वित कर लेने में लगन लगाती हैं। आप में यह वरदान स्वरूप विशिष्टता विद्यमान है कि आत्मबल के सहारे अपने कार्य को संपादन कर लेती हैं। परंतु आप में छोटी सी बातों में भी अड़चन लगाने की प्रवृत्ति विद्यमान है। अर्थात् किसी भी असाधारण बातों को द्वन्द्वात्मक बना देती हैं।

आप किसी कार्य का आरंभ विद्युत गति से करती हैं। परंतु अकस्मात् बीच में ही कार्य को रोक कर अपने मार्ग को बदलने पर पुनर्विचार करने लगती हैं। यदि आप कोई सशक्त निर्णय लेकर और पूरी तन्मयता से कार्य को कार्य रूप दें तो निश्चित रूप से आप किसी भी कार्य में सफल हो जाएंगी।

वास्तव में आप विशुद्ध आत्मा (हृदय) की प्राणी हैं। आपके हृदय में किसी प्रकार की कलुषता नहीं रहती है। आप चाहती हैं कि आज तक की परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त कर नेतृत्व करें। आप किसी दूसरे व्यक्ति का निर्देशों का अनुपालन नहीं करतीं। यद्यपि आप यह चाहती हैं कि किसी भी व्यक्ति पर अपनी छाप (चिह्न) स्थापित करें तथापि यदा-कदा आप अपनी राय सभी कार्यों में प्रदान कर अपना प्रभाव कायम करने के लिए तत्पर रहती हैं। वास्तव में कोई भी व्यक्ति अच्छी राय आपसे प्राप्त कर आपसे प्रभावित हो जाता है।

आप अपने शत्रुओं से निर्भय रहती हैं। दुर्भाग्यवश यदि किसी शत्रु से आपको मुकाबला करना पड़ जाए और आपके साथ कोई षड्यंत्र करे तो आप वर्तमान कालिक परिस्थिति का मुकाबला पूरी शक्ति से एवं अपने निर्णय के अनुसार कूटनीतिक व्यवहार से उसके साथ पेश आती हैं।

अश्विनी नक्षत्र के प्रभावानुसार आप पूर्ण सशक्त एवं शक्ति संपन्न व्यक्तित्व की संपन्नता से धन प्राप्त करने की क्षमता रखती हैं। आपका उन्नत ललाट और प्रभावक दृष्टि आपके अन्तःकरण की सूचना प्रकट करते हैं आप में ऐसी क्षमता है कि आपके संपर्क में जो व्यक्ति आता है। उस पर आपका पूर्ण प्रभाव एवं अच्छी छाप पड़ती है। आप अधिक धन संचय करने के संबंध में लालची भी हैं। आपको अपने भाई के साथ कोई विवाद हो जाए और आप उलझ जाएं यह संभाव्य है। अन्यथा आपका पारिवारिक जीवन सुंदर रहेगा। आपके जीवन का मुख्य दायित्व पारिवारिक समस्या है। आप बेसुघ हो कर, हर क्षण अपने परिवार के लाभ के लिए कुछ न कुछ करते रहने के संबंध में चिंतनशील रहा करते हैं, क्योंकि संपूर्ण परिवार का दायित्व आपके कंधे पर है, अर्थात् पूरे परिवार का विकास और विस्तार के लिए आप ही अभिभावक के रूप में जिम्मेदार हैं। परंतु आप अपने शब्द जाल में अधिकांश लोगों को फंसा

लेती हैं परंतु आप किसी भी दशा में अपने स्तर से गिर नहीं पाती। आपके स्वभाव के अनुसार जेल अधिकारी पद पर आपकी नियुक्ति उपयुक्त है। अन्यथा आप पुलिस विभाग या रेलवे अधिकारी भी हो सकती हैं।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परंतु आपको यह निर्देश दिया जाता है कि अपने पारिवारिक चिकित्सक से सिरोवेदना या मस्तिष्क रोग से सावधानी कैसे बरती जाय इसके संबंध में परामर्श ले लें।

आपके जीवन के 20 वे वर्ष में आपके लिए भाग्यशाली समय प्रारंभ होगा। आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भविष्य के लिए उन्नति कारक एवं आकर्षक अंक 9 एवं 1 अंक होगा। जबकि आपके लिए अनुकूल अंक 4 एवं 8 अंक होगा। अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए अच्छे प्रभाव देने वाले नहीं हैं।

आपके जीवन के लिए पीला, स्वर्णिम एवं लाल रंग व्यवहारिक एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।